

ਮੁਕ

50901

Acco N: →

→ 50901

श्रीगुरुवे सित्तै रभः

श्री.
०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमः श्रीभद्रशिखाभद्रदे ॥ नमो श्रीभद्रशिखाभद्रदे ॥
कगलपट्टाभिराधविधिः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

[illegible]

ਸੀ:

[illegible]

वृभेग॥ वभकरं मिरभिरुभेग॥ ॐ मिरवद॥ वद॥ वृभिरुभेग॥
 नृपुद॥ गदुदुपध॥ पप्रपवैवेदुः मं प्रद॥ श्रीगुरुप॥
 इममप॥ वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥
 वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥
 वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥
 वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥
 वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥
 वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥ वृभेग॥

धृ॥ श्रीवृद्धदधि॥ गायं प्रकृतं श्रीपतिदेवता॥ गौरीकृष्णभा
मं मीनः नमः कीलकभा॥ श्रीपद्मजकभर्गो ह्यजे एष विरियेगः
उतिताहनिः भृहदभेग॥ श्रीवृद्धदधये नमः शिरभि॥ गायं
प्रकृतं नमः॥ भाषे॥ श्रीग॥ पतिदेवताये नमः हृदि॥ गौरीएय
नमः पुष्टे॥ पुंसजये नमः पार्श्वे॥ नमः कीलकयनमः॥ उति॥
पे विरि॥ नमः॥ पु॥ उतिताहनिभः॥ प्रकृतं नमः॥ गौ
मुमुक्षु नमः॥ गौरीकृष्णभा॥ पु॥ प्रकृतं नमः॥

श्रीः

भिकुं हं॥ गौं कनिष्ठिकुं हं॥ गः करतलकरपुं हं॥
ए॥ उडिकाशुभः॥ सुषुषुषुः॥ गौं हृत्पुत्रभः॥ गौं मित्रभः॥
द॥ गौं मित्रपुत्रभः॥ गौं कनिष्ठिकुं हं॥ गौं रेड्डुपुत्रभः॥
गः सुषुषुषुः॥ उडिकाशुभः॥ सुषुषुषुः॥ गौं हृत्पुत्रभः॥
उं गौं हृत्पुत्रभः॥ उं गौं हृत्पुत्रभः॥ उं गौं हृत्पुत्रभः॥
उं गौं हृत्पुत्रभः॥ उं गौं हृत्पुत्रभः॥ उं गौं हृत्पुत्रभः॥
उं गौं हृत्पुत्रभः॥ उं गौं हृत्पुत्रभः॥ उं गौं हृत्पुत्रभः॥
उं गौं हृत्पुत्रभः॥ उं गौं हृत्पुत्रभः॥ उं गौं हृत्पुत्रभः॥

ॐ तिभालं भं प्रहृ ॥ गभवि प्रं ३ ॥ मेभालेइं ॥ ॐ तिभक करे ॥
भालं ॥ दीइ ॥ गां ऐं सुंग ॥ प उध र भः ॥ ३ ॥ उकी ॥ ऐं सुंग ॥ प
उध र ॥ गां गां ॥ ३ ॥ एगीवरं ॥ ऐं कं तं गां भलं थं एं ॥ ३ ॥ ऐं एल
हां ॥ म रु रु मा पं विभे न य ॥ ३ ॥ धा द ॥ ० ॥ ऐं गुं गां ऊ न ऊ ल
य धा द ॥ ० ॥ गां गी गुं ऐं गी गः ॥ ग ॥ म भु य ॥ सु ॥ धा भु य ॥ ऊ उ र
उ ल ॥ ३ ॥ म भु य ॥ ३ ॥ म भु य ॥ ३ ॥ ऐं सुं गां वं व रु उ ॥ ३ ॥ म भु य
ऊ रु ग ॥ ३ ॥ म भु य ॥ ३ ॥ ऐं गां गां गां गां ॥ ३ ॥ म भु य ॥ ३ ॥ ऐं सुं ऐं ॥

ਸ੍ਰੀ:

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥
ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥
ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥
ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥
ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥
ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥
ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥ ਸ੍ਰੀ ਮਤਿ ॥

ਸ੍ਰੀ:

੧

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਪ੍ਰਸਾਦ ਜੀ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਰਜ ਦੇਵ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਮਰ ਨਾਥ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅੰਗਦ ਜੀ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਰਜ ਦੇਵ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਮਰ ਨਾਥ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅੰਗਦ ਜੀ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਰਜ ਦੇਵ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਮਰ ਨਾਥ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅੰਗਦ ਜੀ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਰਜ ਦੇਵ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਮਰ ਨਾਥ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅੰਗਦ ਜੀ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਰਜ ਦੇਵ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਮਰ ਨਾਥ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅੰਗਦ ਜੀ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਰਜ ਦੇਵ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅਮਰ ਨਾਥ ਜੀ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਅੰਗਦ ਜੀ ॥

ॐ नमः श्रीमन्निककगवतीभद्राय ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्राय ॥
नमः श्रीमन्निककगवतीभद्राय ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्राय ॥
पद्मपुष्पमभैरवजैलपविर्विगः ॥ ७ ॥ उदितप्रतिभः ॥ इत्युक्तं श्री
मन्निककगवतीभद्राय ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्राय ॥
उदितप्रतिभः ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्राय ॥
कीर्त्ययनमः ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्राय ॥
महाराजः ॥ श्रीमन्निककगवतीभद्राय ॥

श्रीः

हूं मूं भवभाहं वधण ॥ ऐं हूं मूं परभिकहं हूं ॥ ऐं हूं मूं करि ॥
विकहं वधण ॥ ऐं हूं मूं कंगुलकरथधहं दण ॥ उडिकगहं मः
प्रषधदहः ॥ ऐं हूं मूं हृदयधरमः ॥ ऐं हूं मूं मिगभेधद ॥ ऐं हूं मूं
मिगयवधण ॥ ऐं हूं मूं कवरायहूं ॥ ऐं हूं मूं रेइइययवधण ॥ ऐं हूं मूं
मः प्रभुधदण ॥ उडिधदहः ॥ प्रषधरमः ॥ ऐं हूं मूं लकहं ऐं हूं मूं
मिगयहं ॥ वगभिसुकरयवधहं हूं मूं मिगयवधण ॥ ऐं हूं मूं
हूं मूं लकहं ऐं हूं मूं लकहं ऐं हूं मूं लकहं

भं प्रहृ॥ गौ प्रवि प्रं ऊ न भे भाले डं॥ उति द ह को ल भालं ग दी
इ भुमि र भि भुगुं॥ क रे पी उ व ल र भुल भ ड ह र ल ह र य॥
पी उ भे क रे वी॥ श्री गु न म र ल री॥ भु म रं प ड॥ भु म रे उ धं र ल
भे हं वि ण य॥ वि षु हू म उ ध य भ की कुर भ ह र ड क भ नी य॥
उं भं य मिय कू नं भि डूरं कु रू भ व र॥ क लु लं म रिक न ह
री हं भु डू नं भु उ भ॥ म रे भु भु म वि हू यं म रिक भ
उ ति भुल भ भु र ग॥ म रि भि भि भु च र र न भु डू नं र व॥ म रं

मने: यषाम जिण जिदउ॥ रापाउ॥ ऐंहुंभानेभवदेवरांभीति
पुठठठव॥ पुठंऊरुधमठठेयमेविहुंमठेदिम॥ उतिभानाधुमि
मिमंभुपु॥ पारपिपु॥ यमभुधिकाधरुदुभंविपु॥ ऐं
ऐंऐंरामदेवयमभः॥ उडेसुरभउंरुमणणपु॥ ०॥ ऐंहीम्रीहुंमुं
मभिकयैरभःहुं॥ उतिभभुएभउंरिल्लपउ॥ ३॥ ऐंगुदुतिगु
दुतिभभुएभउंरिल्लपउ॥ मभुउंएपभा॥ मिधुठवउमठेविहुंमुं
मुमि॥ उतिभभुएभउंरिल्लपउ॥ मभुउंएपभा॥ मिधुठवउमठेविहुंमुं

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

श्रीः
ॐ

भेडा ॥ श्रीकला प्रि मरुध येरभः ॥ निरभि ॥ इम्रु कुरु मेरभः ॥
भाप ॥ श्रीम रि के पु रै व म दे वे दे व उ येरभः ॥ ह्रदि ॥ ह्री वी ए यरभः
गुहो ॥ वैं मउ येरभः ॥ पा रू यः ॥ उं वी ल क यरभः ॥ ना के रू प विरि
दे गः ॥ भ व ह्रे म ॥ उ ति व म रि ट मः ॥ म ष क र ट मः ॥ वैं म रु क हं
म ॥ वी उ ल री टं म ॥ पुं म पु म हं व ध ए ॥ वैं म र भि क हं
हं ॥ वैं क रि धि क हं व ध ए ॥ वः क र उ ल क म प हं ह ए ॥ उ ति
का ट म ॥ म ष व र हः ॥ वैं ह र यरभः ॥ वी सि म म हं वैं मि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

भायतुंभाय दिप्रतातः॥ यद्भुवि एगष्टुः॥ तमुनमुतवप्रराभा
ऐंराभापमंरमभप्रवडिल्लरभृपमंरमभरिवडिः॥ इयल्लव
केसिह्लिभृययंयष वियऊंभितव मराभि॥ ७ डिभाभृप
भेडा॥ ७ डिमीमरिहृगपडि मरापविधिः॥ १॥ तमुन
कदाग॥ १॥ ऐंराभ्रनंगुडिः प्रसभृपंरापेहभा॥ भरभ्रनं
गुरेवकंभेहभ्रनंगुडि॥ १॥ गुरुककिविदीरभृतपविहृ
ऊलभा॥ मवभृवऊले मरिहृपल्लेकरहृकम॥ १॥ २॥ ३॥

ਤੈ ਗਲੁ ਪਛਾਰ ਮਰੇ ਬਧ ਮਰ ਗਏ ਵੀਰੀ ਗੋ ਮਰੀ ॥ ਗਲੁ ਭੁਗਵਾ ਪ੍ਰਧ
 ਗਵਰੀ ਗਾ ॥ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਭੁਖ ॥ ਰੇ ਵਸੰਤ ਮਰ ਭੁਗੀ ਪ੍ਰਧੁ ਤਿ ਪ੍ਰਧੁ ਭੁਖ
 ਕ ਫੇ ਮਰੇ ॥ ਤੀਜ ਭਾਰ ਮਦ ਚੁਕੇ ਹਿਠਲ ਨੰ ਸ੍ਰੀ ਯਤੁ ਪਾ ਰੋ ਕੁ ਕਮਾ ॥ ੧ ॥
 ਭੁਖ ਭੋਖ ਭੁਖ ਭੁਖ ਨਿਧ ਭੁਲੰ ਲਠ ਤੇ ਰਾ ॥ ਤ ਭੁਲੰ ਮ ਮਰ ਪ੍ਰੇਤਿ ਭੁਖ ਸ੍ਰੀ
 ਭੁਖ ਭੁਖ ਭੁਖ ॥ ੩ ॥ ਭੁਖ ਭੁਖ ਭੁਖ ਭੁਖ ਭੁਖ ਭੁਖ ਭੁਖ ਭੁਖ ॥ ਤ ਭੁਲੰ ਲ
 ਭੁਖ ਭੁਖ ਭੁਖ ਸ੍ਰੀ ਭੁਖ ਭੁਖ ਭੁਖ ॥ ੩ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਵੇ ਸਿਰਧੈ ਰਮ ॥ ਸ੍ਰੀ
 ਤੇ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੁ ਰਾਮ ॥ ਰ ਨਿਰਾ ਪ੍ਰ ਨਿ ਪ ਲੇ ਰੇ ਰਮ ॥ ਸ੍ਰੀ ਗੁ ॥ ॥

ਤੇ
 ੩

𠂔

[illegible]

ऊयदंमदंमतिमममवेममेवेपष्टापुवउते॥ यषाहृप्रिःकषू
षाउलेषउलभिवउंविमिहृनभदमतिगुमभवपूहणगडय
भङ्गपुष्पाणिपुनंदिःप्रमदिनीवृहमलिप्रकंसगहृनदउ
भदिहृ॥ विमुहृ॥ प्राप्तिरिहृपुहृभनकययंरुद्रगहृ
पुगंभिभङ्गमिहृमचमपयत्रनिमभाणगडुद्रगहृ
यंमुहृपुहृकमहृमभवेरुद्रपरभङ्गहृपुहृ॥ उंमवेदंम
हृमिहृकगपुहृकः॥ प्रभदंममेवउ॥ दमिडिगीणभा॥ म
॥ मजिः॥ मेदमिडिकील॥ पदहृमदेरुयरेकविम

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

श्रीयोगशुक्लरभा॥ इतीयोपेनं यातिमउं कभउमिरः॥ ५
सुभेभुवतेउन्नपष्टभउतिषेव॥ मभुमेगुफविस्तं परव
मउषाधुम॥ अमष्टं वममेदं सिहसदभुषाभलभा॥ ममभं
परभेवद्वेकवेद्वद्वमविष्णो॥ उभिन्मनेविलीयतेभनभिम
कल्पविकल्पेयमुपष्टपापमममिरयउद्वमवविभु॥
धुयंष्टुतिः सुष्टुवष्टुतिरस्तनः मातः एकमिउउद्वम
मनवेद्वप्रवमनं॥ इतिपरभदंमभिमिषद्वमउ॥ सुक

श्री.

ॐ श्री गुरुवे भगवन्तु पुण्यै नमः ॥ ॥ ॐ ह्रीं गे मार वर वृ ग द
मय गै व भु ग ल मे भनः म द ह गुरु व भू भी ग म कं ह ग
म ह ह क भ ॥ मि ह वै व वि भ च म जि भ दि उं प ह उं भ ह व लि
ह के म क र न वि य भु भ दि भ उं रे इ रा वं भु भः ॥ ० ॥ ॐ नो
भि भ ह प्र क म प्र म भि उं वि ध भ लै म ग मिं भ दे मं व शे वा
म व नं उं क ह वि कि न य भ ल उं व ह उं यः ॥ वि प्र ग म
ह न वि वि व ह म मं नो मि वि प्र णि ग एं ह उं गी ह भ कं

गुरुवरभपरं हूरमंमप्रपुष्टे॥१॥ उं हूं मंः पविष्क यरभ
उतिपविष्टं गयेउ॥ उं रभा मिभदुमं मा उं पुष्टं मिवतु
पि॥ भा॥ मिगभर्येगपी० भुं भक्ति कभाऊ मिदुये॥ उं वृद्ध उं कभाऊ भेद
मि करल्लगी उं भुम हूररु रिदुभा॥ रभा मिपमम रं भुमु
मं वीरनयकभा॥ उं डिपल्लनयरेदे रं रा उं भुम उं
मदुके एपुडी कंमंमदुवतु मेपरभा॥ पदुके उं भुम
हं मद्यगेरभमदिउभा॥ वृष्टि के र यिभं हं मे रं उं वि

श्री.
३

गणितभा॥ कपालमाला॥ अङ्गुलिपि॥ कण्ठवि॥ भा॥ पामा
कुसुमपत्रं देवं मरुदभुपिरकिशुभा॥ वराहकयदभुमभ॥ अङ्गु
लिपि॥ भा॥ वी॥ अङ्गुभरुदभुमपा॥ अङ्गुदभुदभुलिपिरभा॥
वराहकयदभुपिरकिशुभा॥ भङ्गु॥ विमिङ्गु॥
पङ्कजविगणितभा॥ भिन्दमप्रगीणरंगणमङ्गुदरीयक
मङ्गु॥ मङ्गु॥ मङ्गु॥ मङ्गु॥ मङ्गु॥ मङ्गु॥ मङ्गु॥ मङ्गु॥ मङ्गु॥
मङ्गु॥ मङ्गु॥ मङ्गु॥ मङ्गु॥ मङ्गु॥ मङ्गु॥ मङ्गु॥ मङ्गु॥

ॐ नमः ॥ मदि ॐ तु विररी या द्रु मं मे व वि मि तु ये ॥ मदि
भी ऊ भ म प्रा एं ऊ द्रु मे य क म वि रु मा ॥ मद्रु दु प ५ डी क मं
पा नि मं ड वि मि तु ये ॥ ॥ शु क्त म ठै र वं मे वं भ व क म ठ ल ॥
ए य द्रु ये य भु य ऊ द्रु म् दि प्रं मि द्रु ति मं र वः ॥ प्र चं य भ म य
ए उ द्रु प्पे ग म जि रु ड म ॥ या रु मं ठै र वं ऊ पं ड भु भु रु म
म व दि ॥ ठै र वं प्र ए यि द्रु ड उ उ भु ऊ द्रु ग ड म ॥ ॥
ल व मं ग भूी ग वि प्र ल भ र मा ॥ प्र म रं भु भु म प्र ए क्कै र वी वि

श्री.

मिउछा ॥ भा ॥ उउगायश्री ॥ वरुडुपाय विमुदेकोटा ॥ य
णीमदि ॥ उउवे ॥ प्रमेय ॥ अ ॥ उउवडुपाय विमुदेस
प्रमेय ॥ देणीमदि ॥ उउवे ॥ प्रमेय ॥ अ ॥ उउसुभरमेप ॥
उउसुभरी सुभरमेप ॥ भउले ॥ भउले ॥ भउले ॥
कुमेय ॥ वडा ॥ सुभरमेप ॥ विरियेगः ॥ प ॥ विरियेगः ॥
उउवे ॥ विरियेगः ॥ प ॥ विरियेगः ॥
उउवे ॥ विरियेगः ॥ प ॥ विरियेगः ॥

विणय॥ लिङ्गभङ्गं च कुडि कुलभङ्गं यामेदभा लङ्गु गेयकप्र
 रकुङ्कुभङ्ग॥ मेधल्लद उङ्गु वर सुभ्र वर विमलीकरल्ल
 विष्टयेदं यमर मिणगल्ल विणय॥ वहुभा ल्ल उमं कुदग
 उङ्गुषा॥ लं गेयकं करे भिरभः॥ उडिभङ्गे ल्ल सुसुदूपा ल्ल वयंङ्ग
 मसंपुल्ल वेङ्गायकं लं यावद्दि ल्ल रभा प्रएरचदिः द्विपेड
 उं वयंङ्ग करे भिरभः उडिभे उं सुसुदूपा ल्ल वयंङ्ग मडचिमडि
 पुल्ल वेङ्गायकं लं यावद्दि उचभरभा प्रएरप्रवेमयेड॥ छं गं॥

श्री.
 १

इममात्रेविरियेष्ट॥भनेदसुगवम्रीचिलेष्टपरउडेविल
 एमुतेमगीरंष्टा॥अहम्यागमुद्धिः॥मसभुलमगीरमु
 दिः॥मेषप्रदिणरप्रमिठिःऊदग॥हं॥उभंउत्रंमेषय
 मिरमः॥॥उडिभमगीरंमुक्कंउमकुपंमिउयउ॥पाजिवी॥हं
 उभंउत्रंमदयाभिरमः॥॥उडिमहि॥पादमुपुक्कला॥
 निभक्तिउष्टा॥उहुलाठिःमगादुहुतुरंमगीरंठभ्रीहुतं
 ठवयेग॥सुयेयी॥सुउरंमदुवनंकरेभिरमः॥॥उडिमगीरं

म्री

प्रमप॥ दंभुतयेरभः॥ उतिसेउंभुतिंभुति॥ हंरंमारभ
त्रभः॥ यंतुमुनपवकुयभः॥ रंभुतिंभुति॥ यंतुमुनपवकुयभः॥
वंभुतिंभुति॥ लंभुतिंभुति॥ यंतुमुनपवकुयभः॥ उतिसेउंभुतिंभुति॥
रुति॥ हंरंमारभुयभः॥ रंभुतिंभुति॥ यंतुमुनपवकुयभः॥
प्रच॥ रंभुतिंभुति॥ यंतुमुनपवकुयभः॥ यंतुमुनपवकुयभः॥
उतुग॥ लंभुतिंभुति॥ यंतुमुनपवकुयभः॥ यंतुमुनपवकुयभः॥
हंतुग॥ यंतुमुनपवकुयभः॥ यंतुमुनपवकुयभः॥ यंतुमुनपवकुयभः॥

ॐ

नमः कल'हुरमः॥ नमः॥ गंतुम'मिहः नमः कल'हुरमः
नमः॥ वंग'ए'मिह'व'भ'मेव'न'ल'हुरमः॥ गुह'ल'भ'म'मिहः
न'ह'ए'उ'कल'हुरमः॥ उ'ह'पु'इ'म'कल'हुरमः॥ भ'ह'पे
विभुः पु'ए'प'ह'उ'ह'पु'ह'॥ उं'मि'व'उ'ह'य'प्र'वि॥ उं'भ'म'मि
व'र'ह'य'र'मः व'ह'॥ उं'य'ग'उ'ह'य'र'मः क'ह'॥ उं'वि'ह'उ'ह'य
र'मः न'मि॥ उं'भ'य'उ'ह'य'र'मः॥ उं'कल'उ'ह'य'र'मः॥ गुह'
उं'रि'य'उ'उ'ह'य'र'मः क'ह'॥ उं'प्र'न'प'उ'ह'य'र'मः ए'व'र'॥ उं'प'

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

व'यनभः॥७॥ डिनिक्कलत्रलं॥ वंश॥ ४॥ इतिममेवीवउ॥७॥
कंभकलउंभं निक्कलउंभं॥ दइ॥ अ॥ ५॥ गेसरीललाएति
उ॥॥ भरेयाग॥ ५॥ ५॥ ५॥ प्रएउभीसुगदभुवरयाऊदउ
उइषा॥ रुमयमहुपुयेः॥ मि॥ मुलउः॥ मि॥ ए॥ भ॥ ए॥ भ॥ येः॥ क
नमभनमिकयेः॥ न॥ इ॥ करीयभुः॥ म॥ भु॥ रा॥ पे॥ ध॥ ॥ अ॥ ष॥ मे॥ द॥ ट॥ भः॥
रु॥ म॥ यं॥ रु॥ म॥ य॥ मे॥ मे॥ मि॥ गः॥ मि॥ गि॥ वि॥ ट॥ ॥ ॥ मि॥ ए॥ यं॥ ड॥ मि॥ णं॥
ये॥ व॥ क॥ व॥ मं॥ भु॥ म॥ ये॥ भु॥ ष॥ ॥ न॥ इ॥ ड॥ रे॥ इ॥ ये॥ तु॥ भ॥ म॥ भु॥ म॥ च॥ म॥ गी॥ ग॥ भा॥

ॐ तिग्मेदरुपः॥ मद्रुतुभवमगमद्रुपद्रुवरुः कदउति
गुभवः॥ उइरुमिगिली राहुपुप्रुभिः भैवैकिउद्रुपु मि
गभि॥ उकिउतलरीक मिप'य'॥ परभद्रुगुविउद्रुलिप'
लिद्रुयंकवाए॥ मष्टम'उलतुसभिक ठिउइइयभ्वैर
इ॥ उलतुद्रुपुकेएिकमवरभय'॥ उः पमभमंरुद्रुभुपु
मठैगवंमदि'॥ दुपुव'भैठैवीतुमुमादि'॥ उलतुव'भ
उलतुउंठैव'पुकंतुमडा॥ दंकपालनठैव'य'भ॥ मदि

श्रीः

उल्लं॥ गंमिपिवादनठैरवयनमः॥ भएभयं॥ छंकोणगण
ठैरवयनमः॥ मराभिकयं॥ भंविक्कालठैरवयनमः॥ कसिपु
कयं॥ लंभमठैरवयनमः॥ वाभकसिपिकयं॥ वंभेप्यनमठै
रवयनमः॥ मराभिकयं॥ मंभेभगणठैरवयनमः॥ भएभयं॥
कुंविहगणठैरवयनमः॥ मउल्लं॥ मपिरेसुदेरमः॥ वभेपु
पु॥ उउएयं॥ वामोपएकेडिहरेमंभनमिहइ॥ भनमःपड
मभरीयाउपममभलकरपवीअदरकुडलभऊएउपगइड

श्रीः
०

भोषरु पषा विमुं ठे मयिइ ॥ भचगु त्रि विरुग ॥ पुचं पगमंण
 मरुम मातुभा विमुं करु भमउ विगुद भवमत्रयेडा ॥ उडिदुमं
 यादुमके ॥ इम मातुंगाइ सुद पुकर गअण प्रइम मातुं रु
 मयंगमके ॥ प्रविमु ॥ प्रः प्रगके ॥ उरेवपषा भरुम यंप्रवि
 मंत्रपोगभुं भचइरु पकर इर एय मिडिभइम इडुं ए
 मइगा ॥ हरिप्रलं पालिं विरुव ॥ मदि ॥ दउदुमिभ
 पयेंडा ॥ वभा मदि ॥ दमुप्रभं इमदि ॥ दमुं भमिगमि

श्री
 ल

भूपयेग॥७॥ तिमिवदभुविणिः॥३॥ उँरुद्रयागाजंभ्राद्रुप्र
एरं॥३॥ मपुणभ्रलेनकिभद्रितभ्रचंगोपलल'एडिलकंउ
दाग॥३॥ सुद्रनेमिवभ्रकुपा'यमभालकनंगनेरभः॥३॥ सुँरभः
प्रधं'रभः॥३॥ मंभ'रभमक'उ'भद'भेद'विद'ड'य॥३॥ उ'मि'भ'भ'
उंम'द्र'मी'पे'यं'मिव'ग'द्र'उ'भा॥३॥ उ'मि'गी'॥३॥ क'ल'मि'म'र'उ'
ध'उं'म'च'प'वि'नि'मु'म'र'भ'॥३॥ म'व'भो'ठ'गु'ए'न'र'ं'प'पे'यं'मिव'ग'
द्र'उ'भा॥३॥ डि'ड'ग'प'क'म'न'ं'भो'भु'प'द्र'ए'मि'क'ग'॥३॥ उ'ए'र'भ'भ'

श्रीः

[illegible]

東

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीगुरुदेवे नमः ॥ श्रीगुरुदेवे नमः ॥ श्रीगुरुदेवे नमः ॥
 श्रीगुरुदेवे नमः ॥ श्रीगुरुदेवे नमः ॥ श्रीगुरुदेवे नमः ॥
 श्रीगुरुदेवे नमः ॥ श्रीगुरुदेवे नमः ॥ श्रीगुरुदेवे नमः ॥

कटपिः॥ गायत्रं कुरु॥ श्री गाल्पति केवत शुद्धरः पृष्ट
कं कुरुं श्री गाल्पति भद्र एव वि सियं गः॥ छिं सुं गंगाल्पत
येन भः॥ छिं सुं गंगाल्पति बल ठयेन भः॥ छिं सुं लं॥ छिं गं
मद्रु॥ रुद्र॥ गातल॥ मिम॥ पुं भ॥ मिम॥ गै मरामि
कवमाय॥ गै कविपु॥ रेइहै॥ गः क॥ ल॥ मभ्रयठट॥
छिं सुं गंगाल्पति भद्र एव वि सियं गः॥ छिं सुं गंगाल्पति
वः प्रपन्न एव वि सियं गः॥ मभ्रयठट॥ छिं सुं गंगाल्पति

[illegible]

ल म म्भु य ठ ण ॥ पु ट्ट उ ति गु ट्ट उ ति ण प रि वि म्भ र भा ॥ छं द्रे वं
भु णे ति ण रं ॥ छं म्भ उ ते म य वि द्म द मं द मे वा य णी म दि उ
मि म्भुः प्र मे म्भु य ॥ ३ ॥ छं म्भु म्भी म्भ उ ते म्भु र ठै र व म्भु म्भु
र द्म विः ॥ छं व क म्भुः ॥ म्भी म्भु म्भ उ ते म्भु र ठै र व मे व उ ॥ म्भु म्भु रः ५
र द्म कं म्भी मि व प्री ट्ठं ॥ म्भी म्भु म्भ उ ते म्भु र ठै र व म्भु म्भु ए व वि
वि योगः ॥ छं एं म्भु म्भ उ ते म्भु र ठै र व य र म्भु ॥ छं उ ति भु ल म्भु ॥
छं एं म्भु म्भु ॥ छं म्भु य र म्भु ॥ छं छं उ ल री ट्ठं ॥ मि र म्भु म्भु ॥

ॐ नमो भगवते ॥ मित्रायै ॥ ॐ नमो भगवते ॥ कवयः यदुभ
 ॐ नमो भगवते ॥ रे रे रे ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥
 ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥

प्री

एगं॥ उं वक्रुपय विद्रुदे के एगं वा यणी भदि उत्रे प्यः ५
मोदया उ॥ ३॥ उ डिगा यत्री॥ उं अ मु श्री अ प्ये र सु भ म र्ग ए
॥ वा भ मे व र नि॥ अ व पु क रः॥ श्री व क्रुपः मि व ~~र~~ सु
पुः भ ग भ उ व र ॥ सु क्रुः ५ ए व क्रु श्री मि व श्री उं ॥
भ म् अ प्ये र सु भ म र्ग ए ए प वि नि यो गः॥ उं हं अ प्ये र सु व
पु र हं प्ये र प्ये र उ र हं सु॥ भ च रः म च भ च हं भं मु क र्मु क प
हं दु र भः॥ ७॥ अ लं॥ उं अ प्ये र हं भ च अ र हं म य य र भ

ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥ ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥ ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥
मिपयैवोधए॥ ॐ भवतः मत्तभवतः पिद्मलपकवमय
द्रभा॥ ॐ एंभः एंतीकुपयनेइहं वधए॥ ॐ मिभुमद्रुता
इं रुद्रयपमुपतभुययए॥ ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥ ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥
षुहंरभः॥ ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥ ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥ ॐ षष्ठीरुद्रमिभमभाद॥
मिपयैवोधए॥ ॐ भवतः मत्तभवतः पिद्मलपकवमय
द्रभा॥ ॐ एंभः एंतीकुपयनेइहं वधए॥ ॐ मिभुमद्रुता

श्री
०५

[illegible]

ययनभः॥ उं दी मिग्मभ्राह्म॥ उं कृमिपायैवधण॥ उं वं क
वमययं॥ उं दे रे रे रे वं धण॥ उं दः श्रभ्रययण॥ गुह्र ति
गुह्र गे पुं गं द ल भ्र द्द उं ए पभा॥ मिद्रिद्र उं मे दे व द्द
भ्र द्द श्रग॥ श्रध निष्कल क पु र क भ्र॥ उं व श्र कं दु प वि
भ्र वि श्र भ ग मिक रं॥ पर प्र क स व प्र धं व भः श्र मु र र
उतिष्टा॥ उं प्र भ्र श्री निष्कल श्र ग भ्र द्द ए भ्र भ्र म सि व द्द
विष्णु कृमः॥ भा श्रि द्द न म भ्र दु पः पर भ्र सि व द्द ए भ्र भ्र म व उ

श्री

०८

श्रीसिवप्रीतुं॥ रिक्कलठपूरकभइएपविनियोगः॥ छे
परमदभयविभूदेभयदंभायणीभदि॥ उत्रःसिवः पूमे
याग॥ ३॥ छे रिक्कलधक्कठैरवायरभः ३ छिभलभ
भंभइपूरुहंभ॥ छेदीउलनीहं॥ छेदुंभपुभाहंभः
भ्राभिकहं॥ छेदंकरिपू॥ छेदः करउलपपूरुहंभः
रुद्रमययरभ॥ छेदीमिरभभाद॥ छेदुंभापयेवधर्ण
छेदंकरवण॥ छेदंवेइहंवेवर्ण॥ छेदः अभयठ। ए

श्रीः

ॐ श्रीः॥ ॐ अथ श्रीभक्त्यष्टाङ्गम् ॥ ॐ श्रीभक्त्यष्टाङ्गम् ॥
ॐ ह्रस्वह्रस्वनिविष्टमङ्गिणिकभक्त्यष्टाङ्गम् ॥ ॐ ह्रस्वह्रस्व
मपामरानिगयंमपंमङ्गिकुलैः॥ ॐ श्रीभक्त्यष्टाङ्गम्
पुनरपि मिमिक्षन्नाष्टाङ्गिकभक्त्यष्टाङ्गम् ॥ ॐ श्रीभक्त्यष्टाङ्गम्
याज्ञगम्यक॥ ॐ श्रीभक्त्यष्टाङ्गम् ॥ ॐ श्रीभक्त्यष्टाङ्गम्
भक्ति॥ ॐ श्रीभक्त्यष्टाङ्गम् ॥ ॐ श्रीभक्त्यष्टाङ्गम्
भक्त्यष्टाङ्गम् ॥ ॐ श्रीभक्त्यष्टाङ्गम् ॥ ॐ श्रीभक्त्यष्टाङ्गम्

श्रीः

ॐ

[illegible]

Ass N: →

उमो न न्या जो वक्तुः ।

यञ्चभञ्चकुपंमउउंमिउभा॥॥॥॥ वैञ्चभुश्रीलङ्गीवामदेवभउ
भ॥रगमपिः॥गयइंकुमः॥श्रीलङ्गीवामदेवभउ॥श्री
विष्णुश्रीइंमृणयेविनिर्गः॥॥



SERIES